भाकृअनुप-भारतीय पषुचिकित्सा अनुसंधान सस्थान, इज्जतनगर में आयोजित पशु दैहिकीविद् संघ के दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन का समापन

बरेली 23 दिसम्बर। भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर के पुस्तकालय सभागार में पशु दैहिकीविद् संघ के दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन का आज समापन हो गया। समापन अवसर पर विजयी दैहिकीविदों का सम्मानित भी किया गया। समापन अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि संस्थान निदेशक डा. राजकुमार सिंह ने कहा कि आज आवश्यकता है कि वैज्ञानिकों को शोध में अंतर्विषयी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने शोध विषय के साथ-साथ अन्य विषयों के बारे में जानकारी रखनी होगी साथ ही हमें अपने शोध को किसानों तथा उद्यमी संस्थाओं तक पहुँचाने का प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि पशु दैहिकीविदों को चाहिए कि वे अपने मुख्य विषय को न छोड़ते हुए विभिन्न नवीन तकनीकों का प्रयोग करते हुए आज के ज्वलंत समस्याओं जैसे बांझपन, चयापचय रोग आदि पर शोध कर निदान करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि दैहिकीविद पशुदैहिकी के साथ-साथ पुनरूत्पादन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव रसायन, पशु पोषण एवं पशुधन उत्पादन इत्यादि को भी अपने संगठन में जोड़ें। उन्होंने कहा कि इस संघ के क्रिया कलापों को वार्षिकी तक सीमित न रखकर वर्ष में दो-तीन कार्यक्रम देश के विभिन्न हिस्सों में भी आयोजित करते रहें जिससे क्षेत्र विशेष की समस्याओं के बारे में पता चल सके और उनके साथ मिलकर के शोध कार्यक्रम चलाये जा सकें। उन्होंने कहा कि विज्ञान के विकास के लिए इस तरह के संगठनों का होना जरूरी है उन्होंने सामाजिक विज्ञान विशेषज्ञों के साथ मिलकर कार्य करने पर भी जोर दिया। छात्रों का आव्हान करते हुए उन्हांने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों में छात्रों को बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए।

वार्षिक सम्मेलन की प्रगति आख्या बताते हुए पशु दैहिकीविद संस्था की अध्यक्षा डा. जी. तरू शर्मा ने बताया कि इस दौरान 7 सत्रां का आयोजन किया गया जिसमें देश के विभिन्न भागों से आये चिकित्साविदों ने अपने लेख प्रस्तुत किए। अधिंकाश व्याख्यानों में किसानों की आय दो गुनी करने तथा खाद्य सुरक्षा से सम्बन्धित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गयी। इस अवसर पर विभिन्न पुरस्कार प्रदान किये गये जिनमें एपीए मिड कैरियर का अर्वाड डा. सैय्यद एम अहमद, युवा वैज्ञानिक पुस्कार डा नासिर अकबर मिर एवं सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार डा. बृजेश यादव तथा सर्वश्रेष्ठ पीएच.डी थिसिस का पुरस्कार डा. सुनील कुमार एवं सर्वश्रेष्ठ एम.वी.एस.सी. थिसिस का पुरस्कार डा. विजया लक्ष्मी कैनडी को दिया गया जबकि समग्र पोस्टर प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार डा. विनय शुक्ला को दिया गया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डा. वी.पी. वार्ष्णेय एवं डा. डी. सी. शुक्ला ने अधिवेशन को सम्बोधित किया तथा इसके सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. हैरी अब्दुल समद ने किया गया। इस अवसर पर संगठन के सचिव डा. वी. पी. मौर्या, अधिवेशन के आयोजन सचिव डा. विकास चन्द्र, डा. विक्रान्त सिंह चौहान, डा. पुनीत कुमार, डा. मिहिर सरकार, डा. ज्ञानेन्द्र सिंह, डा. सदन बाग, डा. एस.के. मेंदीरत्ता सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, छात्र एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।